भारतीय कपड़ा उद्योग को मिला बढ़त का मौका

अमेरिका ने बांग्लादेश समेत कई देशों पर लगाया आयात शुल्क, भारत को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, 9 जुलाई .अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बांग्लादेश सहित कई देशों पर उच्च आयात शुल्क लगाने के फैसले को भारतीय कपड़ा उद्योग ने अपने निर्यातकों के लिए एक सकारात्मक संकेत बताया है. उद्योग का मानना है कि इस कदम से भारतीय उत्पादों की कीमत प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी और वे अमेरिकी बाजार में अपनी पहुंच का विस्तार कर पाएंगे. ये नए शुल्क 1 अगस्त से प्रभावी होंगे.

कनफेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश मेहरा ने कहा, हम शुल्क-संबंधी घोषणाओं की प्रगति और उसके क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव पर नजर रख रहे हैं. यह घोषणा कई देशों से संबंधित हैं जो कपड़ा और परिधान निर्यात क्षेत्र में हमारे प्रतिस्पर्धी हैं. मेहरा ने जोर दिया कि अमेरिका का यह फैसला भारतीय निर्यातकों के लिए शुभ संकेत है, जिससे वे कीमत के मोर्चे पर अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे और अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ा पाएंगे.

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान और मलेशिया पर 25 प्रतिशत; दक्षिण अफ्रीका और बोस्निया-हर्जेगोविना पर 30 प्रतिशत; इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत; बांग्लादेश और सर्बिया पर 35 प्रतिशत; कंबोडिया और थाईलैंड पर 36 प्रतिशत; तथा लाओस और म्यांमार पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है.

उल्लेखनीय है कि 2024 में बांग्लादेश 13.15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक रहा, जबकि इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था और वह शीर्ष तीन देशों में शामिल नहीं था.

> परिधान निर्माता और निर्यातक कंपनी सीटीए अपैरल्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश कंसल ने कहा, अमेरिका द्वारा बांग्लादेश से आयात पर 35 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा निश्चित रूप से भारतीय निर्यातकों के लिए सकारात्मक है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वास्तविक स्थिति क्या होगी, इस पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना फिलहाल जल्दबाजी होगी .मेहरा ने अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते पर भी बात की. उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच जल्द ही एक शुरुआती व्यापार समझौता हो सकता है. उनके अनुसार, यह प्रस्तावित समझौता भारत के कपड़ा क्षेत्र में व्यापक सकारात्मक बदलाव ला सकता है और 2030 तक भारत के कपड़ा और परिधान निर्यात को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है.

डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे नरम

मुंबई, 9 जुलाई (वार्ता) अमेरिका में ताँबे और औषधियों पर आयात शुल्क बढ़ाने के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ट्रड म्प की घोषणाओं, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितताओं और वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में सुधार के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में बुधवार को करीब आठ पैसे की गिरावट दर्ज की गयी.

रुपया आज प्रति डालर 85.7979 के स्तर पर बंद हुआ जबकि अमेरिकी मुद्रा कल 85.7188 के स्तर पर थी. बुधवार को एशियाई बाजारों के कारोबार की अवधि में अमेरिकी डॉलर सूचकांक बढ़कर 97.55 के आसपास पहुँच गया. राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह तांबे के आयात पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगा सकते हैं.

74 लाख करोड़ पहुंचा म्यूचुअल फंड एयूएम

जून में म्यूचुअल फंड एयूएम पहली बार 74 लाख करोड़ के पार

52वें महीने लगातार इक्विटी फंड में सकारात्मक निवेश

नई दिल्ली, 9 जुलाई. जून महीने में भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है, जिसमें प्रबंधन के तहत कुल परिसंपत्तियां 74 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई हैं. यह वृद्धि मजबूत खुदरा भागीदारी और व्यवस्थित निवेश योजना के प्रवाह में लगातार बढ़ोतरी से प्रेरित है, जो इस महीने 27,269 करोड़ रुपये रहा.

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के सीईओ वेंकट एन चालसानी ने बुधवार को बताया कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों में हाइब्रिड और आर्बिट्रेज फंडों की ओर एक सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है. यह रुझान निवेशकों के परिपक्व व्यवहार और अनिश्चित समय में संतुलित जोखिम वाली रणनीतियों को प्राथमिकता देने को दर्शाता है. चालसानी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है, और निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.

आंकड़ों के अनुसार, योगदान देने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 8.64 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो एक अनुशासित निवेश माध्यम के रूप में म्यूचुअल फंड में बढ़ते विश्वास को रेखांकित करता है. इक्विटी में 23,587 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो लगातार 52वें महीने सकारात्मक निवेश का संकेत है. चालसानी ने विश्वास व्यक्त किया कि मानकीकृत प्रकटीकरण प्रोटोकॉल और निवेशक शिक्षा की निरंतर पहल एक मजबूत म्यूचुअल फंड फ्रेमवर्क की स्थापना पर जोर देकर उद्योग के विकास और सफलता को गति प्रदान करेगी.

शुद्ध निवेश 23,000 करोड़ रुपये को पार

केनरा रोबेको एएमसी के राष्ट्रीय प्रमुख गौरव गोयल ने बताया कि लार्ज-कैप, मिड-कैप, स्मॉल-कैप और लार्ज एवं मिड-कैप फंड जैसी अन्य श्रेणियों में भी प्रभावशाली शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो भारतीय बाजारों में निवेशकों के दीर्घकालिक विश्वास को दर्शाता है. हाइब्रिड फंडों में भी शानदार वृद्धि देखी गई, जिसमें शुद्ध निवेश 23,000 करोड़ रुपये को पार कर गया .आर्बिट्रेज फंडों का इसमें प्रमुख योगदान रहा, इसके बाद मल्टी-एसेट एलोकेशन और बैलेंस्ड एडवांटेज फंडों का स्थान रहा, जो विविध और संतुलित पोर्टफोलियो के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है.

सीमित दायरे में बाजार गिरा

176 अंक पर गिरा सेंसेक्स

46 अंक पर फिसला निफ्टी

मुंबई, 9 जुलाई (वार्ता) स्थानीय शेयर बाजारों में देश विदेश की आर्थिक परिस्थितियों के मिले-जुले संकेतों के बीच सीमित कारोबार में बुधवार को हल्की गिरावट दर्ज की गयी.

मुंबई बाजार का संवेदी सूचकांक 176.43 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83536.08 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 46.40 अंक यानी 0.18 प्रतिशत नीचे खिसक कर 25476.10 पर बंद हुआ. विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में तनाव और अमेरिका में विभिन्न देशों के खिलाफ ऊंचे आयात शुल्क की घोषणाओं से निवेशक रक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाए हुए हैं लेकिन घरेलू बाजारों में मुद्रास्फीति में कमी, अवसंरचनात्मक विकास परियोजनाओं में निवेश तथा ग्रामीण मांग में सुधार के संकेतों से स्थानीय बाजार में भरोसा बना हुआ है.

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सुबह गिरावट के साथ 83,625.89 पर खुला और ऊपर में 83,781.36 तथा नीचे में 83,382.28 तक गया. कल बाजार 83,712.51 पर बंद हुआ था.

इजिप्ट में केयरएक्सपर्ट का हेल्थ प्लेटफॉर्म लॉन्च

केयरएक्सपर्ट और टेलीकॉम इजिप्ट ने हेल्थकेयर साझेदारी की

डेटा इजिप्ट के नेशनल क्लाउड में होगा सुरक्षित

नई दिल्ली, 9 जुलाई. रिलायंस जियो से जुड़ी प्रमुख एआई संचालित स्वास्थ्य सेवा टेक्नोलॉजी कंपनी केयरएक्सपर्ट ने इजिप्ट में एक उन्नत राष्ट्रीय हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए इजिप्ट की कंपनी टेलीकॉम इजिप्ट के साथ साझेदारी की है.

इस समझौते के तहत, प्लेटफॉर्म हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम को एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड के साथ जोड़ेगा, जिससे क्लिनिकल और प्रशासनिक डेटा वैश्विक मानकों के अनुरूप दिखेगा. प्लेटफॉर्म का डेटा इजिप्ट के नेशनल क्लाउड में सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाएगा.

केयरएक्सपर्ट की संस्थापक और सीईओ निधि जैन ने भारत व अन्य देशों में अपने व्यापक अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि यह साझेदारी टेलीकॉम इजिप्ट को राष्ट्रव्यापी हेल्थ क्लाउड पार्टनर के तौर पर सेवा देने में मदद करेगी, जिससे इजिप्ट के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिलेगी.

टेलीकॉम इजिप्ट के प्रबंध निदेशक और सीईओ मोहम्मद नस्त्र ने इस साझेदारी को अस्पतालों को विश्वसनीय और आसानी से उपयोग होने वाला प्लेटफॉर्म प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने जोर दिया कि यह प्लेटफॉर्म रोगी के डेटा की गोपनीयता बनाए रखेगा और परिचालन दक्षता को दोगुना करेगा, जो इजिप्ट के सस्टेनेबल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन 2030 विजन के अनुरूप है.

> यह हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म चिकित्सा सुविधाओं की मौजूदा प्रणालियों के साथ सहजता से एकीकृत होता है, बिलिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, राजस्व को गति देता है, और नियामक मानकों का पालन करते हुए डेटा गोपनीयता को पूरी तरह से बनाए रखता है. क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के उपयोग के कारण भविष्य में एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के नए समाधानों को आसानी से शामिल किया जा सकता है.

पायलट प्रशिक्षण संस्थानों की होगी रैंकिंग

डीजीसीए ने एफटीओ की गुणवत्ता व सुरक्षा पर निगरानी को दी नई दिशा

नयी दिल्ली, 9 जुलाई. नागर विमानन महानिदेशालय ने देश में पायलट प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा में सुधार के प्रयासों के तहत उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के लिए 'रैंकिंग' प्रणाली शुरू की है.यह कदम उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के विमानों से जुड़ी विभिन्न घटनाओं और स्पष्ट खामियों की पृष्ठभूमि में उठाया गया है.

डीजीसीए ने बयान में कहा कि 'रैंकिंग' प्रणाली एक अक्टूबर, 2025 से लागू की जाएगी. इसे हर साल दो बार एक अक्टूबर और एक अप्रैल को प्रकाशित किया जाएगा.

डीजीसीए के अनुसार, यह पहल भारत में पायलट प्रशिक्षण की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं दक्षता में सुधार लाने और प्रदर्शन-संचालित व पारदर्शी प्रशिक्षण परिवेश को बढ़ावा देने की उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है.डीजीसीए ने आठ जुलाई को जारी पत्र में कहा कि एफटीओ को विभिन्न मानदंडों के आधार पर 'रैंकिंग' दी जाएगी. यदि किसी एफटीओ का समग्र 'स्कोर' 50 प्रतिशत से कम रहता है तो संबंधित इकाई को उनके प्रदर्शन में सुधार को आत्म-विश्लेषण के लिए नोटिस दिया जाएगा.

कमजोर मांग से कच्चा तेल सस्ता

नयी दिल्ली, 9 जुलाई. हाजिर बाजार की कमजोर मांग को देखते हुए कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे बुधवार को कच्चे तेल का वायदा भाव 27 रुपये की गिरावट के साथ 5,859 रुपये प्रति बैरल रह गया.मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई डिलीवरी वाले कच्चे तेल का भाव 27 रुपये या 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,859 रुपये प्रति बैरल रह गया. इसमें 13,022 लॉट के लिए कारोबार हुआ. बाजार में कमजोर मांग के बीच प्रतिभागियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से कीमतों पर असर पड़ा.

मत्स्य उत्पादन में 104 प्रतिशत की छलांग

मछली उत्पादन 95 .79 लाख टन से बढ़कर 195 लाख टन

नीली क्रांति योजना से हुआ निवेश और एकीकरण

मुंबई, 9 जुलाई .केंद्र सरकार ने वर्ष 2015 से लेकर अब तक मत्स्य पालन क्षेत्र में कुल 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे भारत में मछली उत्पादन दोगुना होकर 195 लाख टन तक पहुंच गया है.

यह जानकारी मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक प्रेस नोट में दी. नोट के मुताबिक वित्त वर्ष 2013-14 में मछली उत्पादन 95.79 लाख टन था, जो 2024-25 में 104 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 195 लाख टन हो गया है. सरकार ने यह निवेश नीली क्रांति योजना के तहत किया है, जिसके अंतर्गत सभी मौजूदा योजनाओं को एकीकृत किया गया है. इसके परिणामस्वरूप समुद्री उत्पादों का निर्यात 60,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि झींगा (श्रिम्प) उत्पादन में 270 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

> इस अवसर पर, केंद्रीय मत्स्य मंत्री राजीव रंजन सिंह 10 जुलाई को भुवनेश्वर स्थित ICAR-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर (CIFA) में आयोजित राष्ट्रीय मछुआरा दिवस 2025 समारोह में कई नई पहलें शुरू करेंगे. इनमें नई मत्स्य क्लस्टर की घोषणा, ICAR प्रशिक्षण कैलेंडर का विमोचन, बीज प्रमाणन एवं हैचरी संचालन पर दिशा-निर्देशों का अनावरण शामिल है.

सरसों बनेगी खाद्य तेल में आधार

नयी दिल्ली, 9 जुलाई. रबी मौसम में उगाई जाने वाली देशी तिलहन सरसों की फसल खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है. इसके लिए रकबा बढ़ाने, उच्च उपज देने वाली बीज किस्मों के उपयोग, किसानों को सुनिश्चित मूल्य प्रदान करने की आवश्यकता है. नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का 'रेपसीड' एवं सरसों का उत्पादन 2024-25 फसल वर्ष में 86.29 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल और 1,461 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर औसत उपज के 126.06 लाख टन रहा.

उद्धव ठाकरे के बयान से गुजरात में मचा बवाल

अहमदाबाद. मुंबई में आयोजित शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की संयुक्त सभा में दिए उद्धव ठाकरे के एक बयान से गुजरात की राजनीति में बचाल मच गया है. गुजरात भाजपा ने उद्धव ठाकरे के बयान की आलोचना की और उन्हें नसीहत भी दी.

महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी शुरू करने के दो आदेशों को वापस लेने के भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के फैसले का जश्न मनाने के लिए मुंबई में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर गुजरात में 2017 का विधानसभा चुनाव जीतने के लिए पाटीदारों को अलग-थलग करने का आरोप लगाया. शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने राज्य में चुनाव जीतने के लिए पटेल समुदाय को भड़काया और उसे अन्य समुदायों से अलग-थलग कर दिया. गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा ने शनिवार को उद्धव के इस दावे की आलोचना की. गुजरात में भाजपा प्रवक्ता डॉ. रुतिज पटेल ने कहा कि उद्धव ठाकरे को इस तरह की टिप्पणी करने से पहले तथ्यों की पड़ताल कर लेनी चाहिए थी. उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे गुजरात के बारे में कुछ नहीं जानते. यहां भाजपा और पाटीदार समुदाय (पटेल) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. भाजपा ने गुजरात में तीन पाटीदार मुख्यमंत्री और कई प्रदेश अध्यक्ष बनाये. डॉ. रुतिज पटेल ने उद्धव को आईना दिखाते हुए कहा ने मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कई मंत्री भी इसी समुदाय से हैं.

> **कांग्रेस की भाषा बोलने से बचें उद्धव : हितेंद्र पटेल**
>
> भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता हितेंद्र पटेल ने कहा कि उद्धव ठाकरे को कांग्रेस की भाषा का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए. उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा के उदय में पाटीदार समुदाय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बदले में पार्टी ने समुदाय की प्रगति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण कदम उठाये.

वसुंधरा के तीखे तेवरों का क्या है राज?

बयानों में रहना मकसद या आलाकमान के लिए कोई संदेश

जयपुर. वसुंधरा राजे का सियासी भविष्य क्या होगा, इस पर सियासत के बाजार में अपने-अपने कयास हैं लेकिन उनके बयान और तंज की गूंज दिल्ली के गलियारों तक सुनाई देती है. इन दिनों राजे के नाम को लेकर दिल्ली में बहुत सी चर्चाएं चल रही हैं.

फिलहाल वे पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और राजस्थान में अपने गृह क्षेत्र झालावाड़ से विधायक भी हैं. रविवार को एक राजनीतिक कार्यक्रम में राजे का बयान उन्हें फिर से सियासी चर्चाओं के केंद्र में ले आया है. राजे ने भूतपूर्व सांसद व केंद्रीय मंत्री सांवरलाल जाट को याद करते हुए लिखा कि मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं. आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं, पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे. वे मरते दम तक मेरे साथ थे. गौरतलब है कि कई नेता और विधायक पहले वसुंधरा की परिक्रमा करते नजर आते थे, जो कि अब दूरी बना रहे हैं. राजे की यह टिप्पणी नेताओं के व्यवहार में खुद को लेकर आए बदलाव को लेकर निराशा बता रही है.

राजस्थान की राजनीति पर गहरी समझ रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार मनीष गोधा का कहना है कि वसुंधरा राजे बीते कुछ समय से अपने बयानों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं.

> **राजे के बयान जो चर्चाओं में रहे**
>
> बीजेपी के जनकसुंदर सिंह भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से उदयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मंच से बोलते हुए राजे ने किसी का नाम लिए बगैर कहा था कि वफा का वो दौर अलग था, आज लोग उसी की अंगुली काटने का प्रयास करते हैं, जिसे पकड़कर वो चलना सीखते हैं. सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान राजे ने कहा था कि ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुंच गए लेकिन इनके पैर हमेशा जमीन पर ही रहते हैं. इसीलिए इनके चाहने वाले भी असंख्य हैं. वरना कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, वे खुद को सर्राफ समझ बैठते हैं.

अन्नाडीएमके ने विजय की ओर हाथ बढ़ाया

चेन्नई. तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद अन्ना डीएमके से तालमेल का ऐलान किया था.

के अन्नामलाई की जगह अन्ना डीएमके से ही आए नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया. लेकिन पिछले कुछ दिन से दोनों पार्टियों के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. असल में अमित शाह ने एक बयान दे दिया कि अगले साल के चुनाव के बाद तमिलनाडु में एनडीए गठबंधन की सरकार बनेगी. इससे अन्ना डीएमके के नेता नाराज हुए हैं. उन्होंने कहा है कि गठबंधन की सरकार नहीं बनेगी और भाजपा से तालमेल सिर्फ चुनाव के लिए है. इसके बाद अन्ना डीएमके ने नई बनी पार्टी टीवीके के नेता और तमिल फिल्मों के सुपर स्टार विजय की ओर हाथ बढ़ाना शुरू किया है. अन्ना डीएमके के सर्वोच्च नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी ने खुद पहल की है. उन्होंने कहा है कि डीएमके को हराने के लिए सभी समान विचार की पार्टी को साथ आना चाहिए.

विशेष | **संजय निरुपम ने एमवीए की जगह टीवीए का क्यों किया जिक्र?**

क्या टूट जाएगा कांग्रेस-उद्धव गठबंधन

मुंबई. बिहार चुनावों से ठीक पहले महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का अपने भाई राज ठाकरे से मिलन चर्चा में है, दोनों भाई वर्ली में एक मंच आए थे, लेकिन कांग्रेस ने इस कार्यक्रम से दूरी रखी थी. ऐसे मे सवाल खड़ा हो रहा कि क्या इंडिया गठबंधन यानी (महाविकास आघाड़ी) अब महाराष्ट्र में बचेगा?

राज से उद्धव के मिलन के बाद भी क्या कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी साथ रहेंगे? एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के नेता संजय निरुपम ने ठाकरे भाईयों के मिलने के बाद महाविकास आघाड़ी (एमवीए) को नया नाम दे दिया है. निरुपम ने कहा कि यह एमवीए नहीं बल्कि टीवीए ठाकरे विकास आघाड़ी है. तो वहीं दूसरी ओर जेडीयू के नेता केसी त्यागी ने कहा है कि बिहार के लोगों का सबसे अधिक उत्पीड़न मुंबई में हुआ है. ऐसे में कांग्रेस को शिवसेना यूबीटी यानी उद्धव ठाकरे से अपना गठबंधन तोड़ लेना चाहिए.

संजय निरुपम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि कांग्रेस को घटाकर एक नया राजनीतिक गठबंधन बना है. पहले यह एमवीए था अर्थात महा विकास अघाड़ी. इसका नया नाम टीवीए होना चाहिए - ठाकरे विकास अघाड़ी. ऐसे में चर्चा शुरू हो गई कि बिहार चुनावों से ठीक पहले इस महामिलन के बाद भी क्या कांग्रेस उद्धव ठाकरे से नजदीकी रखेगी. पांच जुलाई को वर्ली के ठाकरे भाईयों की विजय रैली से कांग्रेस ने दूरी रखी थी.

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल इसमें नहीं पहुंचे थे. तो वहीं दूसरी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने निशाना साधा था. चव्हाण ने कहा था कि उद्धव अगर सरकारी आदेश वापस लेने का श्रेय लेते हैं तो यह ठीक है. अगर वे राजनीतिक रूप से एक साथ आते हैं, तो उन्हें हमारी शुभकामनाएं हैं.

> **कांग्रेस नहीं लेना चाहेगी रिस्क**
>
> हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि ठाकरे परिवार सरकारी आदेश वापस लेने का जश्न मनाना चाहता है तो यह अच्छी बात है. सरकारी आदेश वापस लिए जाने का जश्न मनाना और भाइयों के बीच संभावित राजनीतिक गठबंधन दो अलग-अलग मत हैं. राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस बिहार चुनावों को देखते हुए अब उद्धव ठाकरे के साथ रहने से परहेज कर सकती है क्योंकि अगर कांग्रेस उद्धव ठाकरे से दोस्ती रखती है तो उसे हिंदी भाषी राज्य के चुनावी दंगल में नुकसान हो सकता है क्यों कि राज ठाकरे उत्तर भारतीयों के खिलाफ जहर उगलते आए हैं.